विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 6, अंक 64 माह - अप्रैल, 2024, मूल्य : निःशुल्क

शिक्षा -
5 सेंटरों पर 225 बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए शुरू किया गया था यह अभियान

रोजगार -
गोबर से निर्मित घड़ी, मोमेंटो, मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के लिए बने आय का स्रोत

केंद्र -
स्वदेशी उत्पादों का एकमात्र केंद्र कटरा बाजार में स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार

लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप अभियान के दौरान बच्चे अंतिम सत्र की परीक्षा देते हुए

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

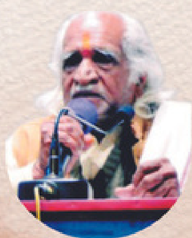

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

अर्चना रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

विचार समिति एवं लर्निंग इनिसेटिव फॉर इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में "लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप" अभियान का समापन

5 सेंटरों पर 225 बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए शुरू किया गया था यह अभियान

समापन के दौरान बच्चों ने पेंटिंग बनाकर शिक्षकों को भेंट की।

पिछले दो वर्षों से संचालित विचार समिति एवं लर्निंग इनिसेटिव फॉर इंडिया के सयुंक्त तत्वावधान में "लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप" अभियान चलाया जा रहा था जिसका समापन हो गया है। यह अभियान कक्षा एक से पांचवी तक के स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को पुन: स्कूल से जोड़ने के लिए शुरू किया गया था। इस अभियान के अंतर्गत 5 सेंटरों पर 225 बच्चे जुड़े हुए हैं। इस प्रक्रिया में वे बच्चे शामिल थे जो स्कूल में नामांकित नहीं थे या नामांकित है पर स्कूल नहीं जाते और स्कूल जाते हैं तो सीखने की गति निम्न थी। "सुनो और सीखो" लर्निंग मॉडल बच्चों को नए विषयों को नए तरीकों से सीखने में मदद करता है। इन बच्चों को ढूढ़ने और शिक्षा से जोड़ने तथा उन्हें आजीवन सीखने के लिये शिक्षकों ने यह जिम्मेदारी ली थी। जिन बच्चों की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है, सामाजिक भेदभाव या पारिवारिक रूप से शिक्षा से वंचित रह गये थे उन बच्चों को हमारे शिक्षकों ने गांव से लेकर शहर की बस्तियों में जाकर बच्चों को चयनित किया और शिक्षा दी।

विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमने पूर्ण जिम्मेदारी के साथ दो वर्षो तक बच्चों को शिक्षा से जोड़ा, बाल्यकाल सीखने की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होता है। आज भी बहुत बच्चें ऐसे है जो शुरुवाती दौर में ही शिक्षा से दूर हो जाते है। हम सब व्यक्तिगत रूप ऐसे सभी बच्चों को शिक्षित करने की जिम्मेदारी ले। शिक्षक प्रियंका साहू कहती है कि दो साल कैसे निकल गए पता भी नहीं चला, शुरूवाती सर्वे में हमारे सामने सवाल थे।

लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप अभियान के अंतर्गत चलाये जा रहे सेंटरों में अंतिम परीक्षा देते बच्चे।

आप कौन हो? और कहां से आए हो? हमारे जबाव थे बच्चों को पढ़ाने आये है। कुछ परिवार के सदस्य तो तैयार ही नहीं थे कि उनके बच्चें पढ़ें। फिर भी हम सभी ने हार नहीं मानी। लगभग 40 से 45 बच्चों के साथ कक्षा चालू की। ग्रेड 1 और ग्रेड 3 के बच्चों को वर्क बुक, कहानी, ग्रामर, गणित, हिंदी, एक्टिविटी आदि के माध्यम से सिखाना काफ़ी रोचक था। दान उत्सव जैसे कार्यक्रमों के द्वारा बच्चों के अंदर दूसरों के लिए मदद के भाव जगाना महत्वपूर्ण था।

शिक्षक सिवानी कहती है शुरुवाती प्रथम ग्रेड के बेसलाइन असिस्मेंट के बाद 20 - 22 बच्चे ऐसे थे जिनका सीखने का स्तर बहुत ही कमज़ोर था। ऐसे भी बच्चें थे, जो स्कूल नहीं आते थे। उन सभी बच्चों के सीखने में बहुत सुधार आया, अंतिम परिणाम अच्छा मिला। हमारा उदेश्य था बच्चें आजीवन सीखने के लिए तत्पर हो सकें।

शिक्षक ज्योति जैन ग्राम मढ़देवरा में 2 वर्ष से बच्चों को अध्ययन करवा रही थी। वे कहती है अब बच्चों को मालूम है कि मिड लाइन एवं ऐंडलायन असिस्मेंट में कैसे लिखना है, कितनी दूरी पर बैठना है। बच्चों को यह पद्धति आई डू, वी डू, यू डू सीखने - सिखाने में कारगर रही।

शिक्षक कविता यादव कहती है कि 2022 जुलाई प्रथम सर्वे में 30 से 35 बच्चे ड्रॉप आउट थे। बेसलाइन असेसमेंट के बाद ग्रेड डिवाइड कर दिया गया। मिडलाइन असिस्मेंट तक बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार आया। जिनका स्तर बहुत ही ज्यादा कमजोर था। लेकिन यह बच्चे अच्छे से पढ़ने लगे है और आगे भी पढ़ना चाहते है।

शिक्षक रितु पटेल कहती है कि बच्चों को अच्छे से हिंदी पढ़नी नहीं आती थी, बच्चों को नए - नए तरीकों से सिखाना बहुत कारगर रहा। बच्चों के माता- पिता से मिलकर ख़ुशी होती जब वह कहते है कि उनके बच्चों में सुधार आया है।

शिक्षक राखी ठाकुर ने अंतिम परीक्षा की जानकारी देते हुये बताया कि सभी बच्चें 1 एवं 2 ग्रेड की परीक्षाओं में पास हो चुके है। सबसे महत्वपूर्ण होता है कि कौन सा बच्चा कहाँ कमजोर है उस पर काम करना। बच्चों को पढ़ाने से आत्मविश्वास आया कि हम सब कुछ अच्छे से कर सकते है। हमारा उद्देश्य यही है कि " हर बच्चा पढ़ेगा - हर बच्चा आगे बढ़ेगा।

स्वरोजगार की मिशाल पेश कर रहीं विचार समिति से जुड़ी महिलायें

महिलाओं को सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, जागरूक करने के लिये विचार समिति मोहल्ला विकास योजना पिछले वर्षों से संचलित कर रही है। गोमय उत्पादों, हथकरघा, स्वसहायता समूहों के गठन के माध्यम से सरकारी लोककल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना, ग़ैरसरकारी संगठनो से जोड़कर प्रशिक्षण मुहैया करवाना, डिजिटल साक्षरता, कार्यस्थल पर रचनात्मक समस्या समाधान और निर्णय लेने में मदद करना है। पिछले वर्ष विचार समिति ने स्वरोज़गार के लिए 15 महिलाओं का चयन किया था, जिसमे 7 महिलाओं के लिए 15000 हजार रूपये की आर्थिक सहायता की थी । इन महिलाओं ने एक वर्ष के दौरान व्यवसाय में सफलता पाई है और उसे आगे बढ़ा रही है। 150 से अधिक महिलाओं ने स्वरोजगार प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

जय अम्बे ब्यूटी पार्लर नाम से स्वरोजगार स्थापित करने वाली भगवानगंज निवासी प्रभा कहतीं है व्यवसाय में बचत महत्वपूर्ण है उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बचत को उपयुक्त जगह उपयोग करना। पिछले 10 माह के दौरान 15000 हजार रूपये की मदद से अभी तक 48410 रूपये की पूंजी लगाकर, 20626 रूपये का खर्च, 27784 की बचत कर चुकी है।

अनीता चौधरी बुटीक एवं जनरल स्टोर से स्वरोजगार स्थापित किया है। अनीता कहती है स्वयं से कमाने में गर्व महसूस होता, खुलकर जी पाते है। समिति के सहयोग 15000 हजार रूपये की राशि की मदद से अभी तक 70000 रूपये की पूंजी लगाकर, 22000 रूपये का खर्च, 27784 की बचत कर चुकी है, कहती है कि सभी महिलाओं को आगे आना चाहिए।

राजीव नगर निवासी रजनी पटेल ने सिलाई सेंटर की शुरूवात की। समिति के सहयोग 15000 हजार रूपये की राशि मदद से अभी तक 33075 रूपये की पूंजी लगाकर 6935 रूपये का खर्च 25160 की बचत कर चुकी है।

रचना पटेल तिलक गंज वार्ड निवासी ने सिलाई सेंटर रफ़ू, पीकू, फाइल आदि बनाने से स्वरोजगार की शुरूवात की। पति नरेंद्र पटेल ख़ुशी व्यक्त करते हुए कहते हैं कि घर की आर्थिक स्थिति को संभालने में बहुत मदद मिली है। विचार समिति के सहयोग से 15000 हजार रूपये की राशि की मदद से अभी तक 55809 रूपये की पूंजी लगाकर, 24185 रूपये का खर्च, 31932 की बचत कर चुकी है।

तिलकगंज निवासी संध्या राय ने दोना- पत्तल की शुरूवात की। समिति के सहयोग 15000 हजार रूपये की राशि मदद से अभी तक 53920 रूपये की पूंजी लगाकर 38820 रूपये का खर्च, 15100 की बचत कर चुकी है।

राजीव नगर निवासी लक्ष्मी पटेल ने किराना जनरल स्टोर की शुरूवात की। समिति के सहयोग से 15000 हजार रूपये की राशि मदद से अभी तक 304615 रूपये की पूंजी लगाकर, 342260 रूपये का खर्च, 167325 की बचत कर चुकी है। लक्ष्मी कहती है कि हमारी छोटी दुकान थी, सहयोग मिला तो दुकान भी बढ़ गई और अतिरिक्त आय भी। मुझे बहुत ख़ुशी है।

भारतीय हथकरघा उत्पादों की पहचान उनकी गुणवत्ता से है : कपिल मलैया

विचार समिति ने स्थानीय स्तर पर महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए विचार हथकरघा परियोजना चला रही है। हथकरघा परियोजना के माध्यम से 350 से अधिक सफल हथकरघा बुनकरों को प्रशिक्षण देकर रोजगार प्रदान किया है। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया भारतीय संस्कृति की विविधताओं को संरक्षित करने और बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे है, वे कहते है कि तेजी से आ रहे बदलावों के बावजूद, कला एवं करघा परंपराएं कलाकारों और शिल्पकारों की कई पीढ़ियों के सतत् प्रयासों के कारण अब तक जीवित रही हैं जिन्होंने अपने सपनों एवं उदेश्यों को उत्कृष्ट हथकरघा उत्पादों में पिरोया और अपने कौशलों को अपनी आने वाली पीढ़ियों तक रूपांतरित किया। भारतीय हथकरघा उत्पादों की पहचान उनकी गुणवत्ता से है। हथकरघा उद्योग सागर के सामाजिक, आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। हम सभी के लिए इन वस्त्रों का उपयोग दैनिक जीवन में करना चाहिए।

हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र की जानकारी देते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि 8 हथकरघा मशीनों के साथ यह प्रशिक्षण दो सत्रों के माध्यम से संचालित पिछले वर्ष से संचालित रहा है। प्रथम प्रशिक्षण सत्र 1:00 बजे से 3:30 बजे व दूसरा सत्र 3:30 से 6:00 तक नियमित जारी है। प्रत्येक बैच में 15 से 20 प्रशिक्षणार्थी ट्रेनिंग ले सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए महिलाएं एवं पुरुष विचार समिति कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण पूर्णत: नि:शुल्क है, जिसका लाभ इच्छुक महिला एवं पुरुष वर्ग सभी ले सकते हैं। प्रशिक्षण में उन्हें चादर बनाना, टॉवल, साड़ी, धोती एवं पंचा बनाना सिखाया जा रहा। भाग्यश्री कहती है कि यह एक बहुमुखी कपड़ा है, जो गर्मियों में ठंडा और सर्दियों में गर्म होता है। महिलाओं को कुशल बनाने का प्रशिक्षण निरंतर दिया जा रहा है। लोगों में जागरूकता से इसे काफ़ी बढ़ावा मिल सकता है, मेहनत बहुत होती और शुद्ध सूती का धागे होने से यह कपड़ा थोड़ा महँगा महसूस हो सकता है पर कपड़ें की गुणवत्ता और फायदे के आगे यह कुछ भी नहीं है। यह कपड़ा विचार समिति कार्यालय तिलकगंज या स्वदेशी वस्तु भंडार कटरा से प्राप्त किया जा सकता है।

गोबर से निर्मित घड़ी, मोमेंटो, मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के लिए बने आय का स्रोत

अब गाय के गोबर का इस्तेमाल केवल रसोई गैस, देसी खाद ही नही बल्कि इससे घड़ियाँ, मोमेंटों, गोमय माला, दिए एवं अन्य सजावटी सामग्री बनाने में किया जा रहा है। यह सभी उत्पाद विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास से जुड़ीं महिलाये बना रही है। गोमय उत्पाद पूर्ण रसायन मुक्त, प्राकृतिक औषधीय तत्वों से मिश्रण से वातावरण को शुद्ध करते है। उपयोग करने के पश्चात इन्हे खाद के रूप में पौधों के लिए अति लाभकारी है।

विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण इलाकों में गाय आमदनी का अहम जरिया है। पहले सिर्फ गाय के दूध से कमाई होती थी, लेकिन जब से इको-फ्रेंडली का नारा बुंलद हुआ है, तब ही से गाय के गोबर से लेकर गौमूत्र से तमाम उत्पाद बनाए जा रहे हैं। अब महिलाएं घरेलू कामकाज के बाद यह उत्पाद बना रही है, अब उन्हें एक नया रोजगार मिल गया है जिसकी बदौलत वे अब इससे अच्छी कमाई करके अपनी घर गृहस्थी भी संभाल रही है। गोबर से घड़ी बना रही उमा पटेल कहती है हम लोग गोबर का इस्तेमाल करके इससे घर की सजावट के लिए इस्तेमाल होने वाले आकर्षक सामान बनाते हैं। गाय के गोबर को वे सबसे पहले आटे की तरह गूंथ कर उसे सांचे में ढाल कर बढ़िया रंग-बिरंगी पेंट करके घर की शोभा बढ़ाने वाले सजावटी सामान बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

आप गोमय उत्पादों को ऑनलाइन-ऑफ़लाइन के माध्यम से खरीद सकते है। onlion खरीदने के लिए https://vicharsamiti.in पर जाये एवं offline खरीदने के लिए विचार समिति कार्यालय रेल्वे स्टेशन के पास मारुती शोरूम तिलकगंज एवं कटरा बाजार में स्वदेशी वस्तु से प्राप्त किये जा सकते है।

स्वदेशी

|| विचार समिति ||

सोनामोती गेहूं

सोना मोती गेहूं को हड़प्पा काल में उगाया जाता था। सेहत के लिए इस गेहूं का सेवन काफी फायदेमंद बताया जाता है।

3 गुना अधिक फोलिक एसिड, प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, मैग्नीशियम एवं आयरन है। लगभग 267 प्रतिशत अधिक खनिज और 40 प्रतिशत अधिक प्रोटीन पाया जाता है।

विशेषताएं :-

- किसी भी अन्य गेहूं की तुलना में लगभग 267 प्रतिशत अधिक खनिज और 40 प्रतिशत अधिक प्रोटीन पाया जाता है।
- इस गेहूं में चीनी की मात्रा कम होती है।
- ग्लूटेन फ्री
- डायबिटीज और ह्रदय रोग पीड़ितों के लिए काफी लाभकारी है।
- किसी भी अनाज की तुलना में इस गेहूं में 3 गुना अधिक फोलिक एसिड होता है।
- एक्सपर्ट्स के मुताबिक फोलिक एसिड हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इससे हमारा पाचन अच्छा होता है और पेट संबंधी दिक्कतें कम होती हैं। कब्ज, जीमिचलाने और दस्त जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए फोलिक एसिड काफी मददगार है।

वर्तमान में बाजार में ₹ 15000 प्रति क्विंटल से ₹ 30000 प्रति क्विंटल के दाम पर यह गेहूं बेचा जा रहा है। हमारे पास ₹9000 प्रति क्विंटल में उपलब्ध हैं।

सम्पर्क करे -
पता : 258/1 मॉल गोदाम रोड, आदिनाथ कार प्राइवेट लिमिटेड के पीछे, सागर, पिनकोड 470002, फोन नंबर : 9575737475

स्वदेशी उत्पादों का एकमात्र केंद्र कटरा बाजार स्थित "स्वदेशी वस्तु भंडार"

स्वदेशी वस्तु भंडार में देश एवं स्थानीय स्तर पर निर्मित रोजमर्रा की जरूरत के ऐसे सभी उत्पाद जैसे किराना सामग्री, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, गौ आधारित उत्पाद, कुटीर उघोग, स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर निर्मित उत्पाद को एक स्थान पर उपलब्ध करवाता है। स्वदेशी उत्पाद केंद्र पर हाथ से बने बैग, ज्वेलरी, अन्य सजावटी सामग्री के साथ विचार समिति द्वारा निर्मित गोमय उत्पाद, विचार हथकरघा शुद्ध सूती वस्त्र उत्पाद, उत्कृष्ट गुणवत्ता पूर्ण सोना मोती गेंहू, मलैया सेल्स के उत्पादों में जैविक चना, जैविक मूंग दाल, जैविक सरसों तेल आदि।

स्वदेशी वस्तु भंडार की अधिक जानकारी देते हुये कार्य प्रभारी सुनीता अरिहंत ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी वस्तु भंडार खोला गया ताकि एक ही छत के नीचे देश में बनीं सभी चीजें एक साथ उपलब्ध हो सकें। स्वदेशी वस्तु भंडार केंद्र में स्थनीय स्तर पर निर्मित उत्पादों में देश में बनने वाले अच्छी गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद उपलब्ध है। शांतिधारा के उत्पादों में शांतिधारा गिर बिलौना घी, गोमयादी दंत मंजन, काला दंत मंजन, पंचगव्य नस्य, केश तेल, गोमयादी लेप टिकिया, नेत्र अमृत, आखों की ड्रॉप, अमृतधारा रोल, स्वर्ण प्राशन, गोमयादी अर्क, त्रिकूट चूर्ण आदि विभिन्न उत्पाद उपलब्ध है।

श्री श्री तत्व शुद्धता का नाम के खाद्य एवं पेय उत्पाद इस प्रकार हैं। श्री श्री प्रोडक्ट्स शहद, गाय का शुद्ध घी, श्री श्री फूड्स मसाला भेल, श्री श्री फूड्स टमाटर स्टिक्स, श्री श्री फूड्स मूंग दाल, च्यवनप्राश हर्बल इम्युनिटी बूस्टर, आंवला कैंडी सादा श्री श्री आयुर्वेद। त्वचा की देखभाल के लिए उत्पादों में शिशु तेल, क्रैक क्रीम श्री श्री आयुर्वेद, बॉडी ऑयल श्री श्री आयुर्वेद, श्री श्री आयुर्वेद काले धब्बों के लिए एंटी एक्ने जेल, गुलाब जल श्री श्री आयुर्वेद दर्द से राहत के लिए

स्वदेशी वस्तु भंडार में हस्तनिर्मित सुंदर चित्रकला मय बैग और पर्स उपलब्ध हैं।

वेदानान्तक बाम, क्षीरबाला तेल श्री श्री आयुर्वेद, नारायण तैल श्री श्री आयुर्वेद, पिंडा तेल श्री श्री आयुर्वेद, मुंह की देखभाल, माउथ फ्रेशनर श्री श्री आयुर्वेदचूर्ण (पाउडर) स्वास्थ्य और कल्याण के उत्पाद अविपत्तिकरा चूर्ण श्री श्री आयुर्वेद, हिंग्वाष्टक चूर्ण श्री श्री आयुर्वेद, हरिद्रा खंड चूर्ण श्री श्री आयुर्वेद, सितोफलादि चूर्ण श्री श्री आयुर्वेद, त्रिफला चूर्ण श्री श्री आयुर्वेद, लेहया और घृतस, चित्रकहारितकी लेह्य श्री श्री आयुर्वेद, खुसमंद रसायन श्री श्री आयुर्वेद, फलासर्पी श्री श्री आयुर्वेद गोलियाँ महा त्रिफलदाय घृत श्री श्री आयुर्वेद आदि विभिन्न उत्पाद उपलब्ध है।

पतंजलि के उत्पादों में हेल्थ केयर उत्पादों में बादाम पाक, पाचक अजवाइन, पाचक छुआरा, गुलाब शरबत, अमृत रसायन, पतंजलि पावार वीटा, मिल्क पावडर, शतावर चूर्ण, एलोवेरा जूस, हनी मल्टीफ्लोरा, आयुर्वेद दवा उत्पादों में आरोग्य वटी, आरोग्यवर्धिनी वटी आदि। गुग्गुल में गोशुरादि गुग्गुल, कैशोर गुग्गुल, कांचनार गुग्गल आदि विभिन्न उत्पाद उपलब्ध है।

An ISO 9001-2001 Certified Org

नितार्इ प्ले स्कूल एवं कोचिंग सेंटर

॥ विचार समिति ॥ (स्थापना वर्ष 2003)

AN INITIATIVE OF NITAI GROUP

WE MAKE YOUR CHILD SMART

- प्ले स्कूल एवं नर्सरी से पाचवी तक
- विचार समिति द्वारा संचालित

भारत की अखण्ड संस्कृति शिक्षा पद्धति पर आधारित बच्चों के उज्जवल भविष्य हेतु प्रतिबद्ध

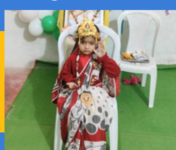

हमारा उद्देश्य

भारत को 21वी सदी का सर्वश्रेष्ठ सर्वसंपन्न विश्व गुरु राष्ट्र बनाने हेतु सभी विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक व आध्यात्मिक रूप से पूर्ण स्वस्थ बनाना।

प्रवेश प्रारंभ 2024

हमारा लक्ष्य

विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा मंच तैयार करना जहां सभी मिलकर एक दूसरे की मदद करते हुए परिवार, समाज, राष्ट्र व विश्व की उन्नति हेतु अग्रसर होकर अपने जन्म को सार्थक बनाये व परोपकार करें।

हमारी विशेषताएं

बच्चों के बैठने की उत्तम व्यवस्था

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन

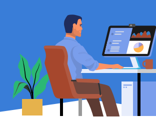

साप्ताहिक स्मार्ट कम्प्यूटर क्लासेस व्यवस्था

योगा क्लासेस

- CBSE आधारित शिक्षण प्रणाली।
- योग्य अध्यापकों द्वारा बच्चों को शिक्षा प्रदान करना।
- बच्चों के शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक विकास पर विशेष ध्यान।
- वार्षिक खेल महोत्सव, बच्चों के लिए स्कूल टूर व्यवस्था।
- प्रतियोगिता - चित्रकला, संगीत, नृत्य, प्रश्नोत्तरी आयोजन।
- बच्चों के लिए बड़ा खेल मैदान एवं गार्डन व्यवस्था।
- उत्तम कोचिंग व्यवस्था समय-समय पर बच्चों की मेडिकल चेकअप व्यवस्था।

वाहन सुविधा

पता : ग्राम मनेसिया, पोस्ट भैसा, (सिहोरा) सागर (म.प्र.) मो.- 8109213915, 9893800638, 9575737475

2023-24 की मुख्य गतिविधियां

विचार समिति शिक्षा, रोजगार, पर्यावरण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, ग्रामीण विकास और राष्ट्र निर्माण में 12,500 परिवारों के 360° विकास के लिए काम कर रही है। यह परियोजनाएं जमीनी रूप से बदलाव की वाहक है। पिछले वर्ष के दौरान की गई मुख्य गतिविधियां -

मार्च 2023 -

- विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा 500 पौधे गौ सेवा धाम हॉस्पिटल ग्राम पगारा भैंसा परिसर में रोपें।
- विचार समिति एवं लर्निंग इनीशिएटिव फॉर इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में स्कूल चलें हम अभियान के बच्चों को विचार सहयोगियों ने जूते एवं चप्पल एवं डायरी एवं पेन उपलब्ध करवाए।
- गूंज फाउंडेशन द्वारा भेजे गयी स्टेशनरी, बैग और कपड़े बच्चों को दिए गए।

अप्रैल 2023 -

- वैश्विक जल संकट को दूर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की बैठक में विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने लिया हिस्सा।
- स्वरोजग़ार स्थापित करने के लिए सात महिलाओं को 15000 रु. की सहायता।
- विचार समिति आत्मा फाउंडेशन कॉमन मिनिमम प्रोग्राम से जुड़कर अपनी क्षमताओं पर काम करना।
- शैक्षणिक संस्थानों में स्वरोजगार स्थापित करने के लिए आयोजन किये गए।

मई 2023 -

- लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप एवं 'स्कूल चलें हम' अभियान की 2022-23 की समग्र मूल्यांकन रिपोर्ट की जानकारी।
- सफल उद्यमियों की प्रेरणादायी कहानियां।
- महिलाओं ने गोबर से शील्ड और घड़ियां बनाने की शुरुवात की।

जून 2023 -

- विचार कार्यालय में 10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया के अधिकारियों एवं महिलाओं ने 4 दिवसीय प्रशिक्षण लिया।
- विभिन्न गतिविधियों, सीखने के अवसरों के लिए समर कैंप का आयोजन।

जुलाई 2023 -

- जैविक खेती के लिए जीवामृत खाद, गौ -कृपा अमृत बनाने की विधियां।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 400 से अधिक लोगों किया योगाभ्यास।
- घरोंदा आश्रम जाकर मूक बधिर बच्चों से मुलाकात की उनके लिए काउंटर लगाकर खाना खिलाया।
- स्वरोजग़ार से जुड़ीं महिलाओं का 3 दिवसीय प्रशिक्षण।

2023-24 की मुख्य गतिविधियां

अगस्त 2023 -

- ध्वजारोहण उत्सव की तैयारियां संबंधी बैठक।
- "भविष्य से भेंट" कार्यक्रम में विचार समिति से 10 वॉलेंटियर ने बच्चों को किया प्रोत्साहित।
- विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल का शुभारंभ ग्राम मनेसिया कला में किया।
- लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप के पूर्व एवं नवनियुक्त शिक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न।

सितंबर 2023 -

- 21 हजार से अधिक लोगों के साथ विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस पर 115 स्थानों पर एक साथ ध्वजारोहण किया।
- उद्यमिता पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ किया गया।

अक्टूबर 2023 -

- पांच वर्षों के प्रयास से मंगलगिरि पहाड़ी पर 11000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे।
- पर्यावरण को बचाने के नीम के 50 हजार पौधे भी तैयार किए जा रहे हैं।
- ग्राम बेरखेड़ी में घुमन्तू और अर्द्धघुमन्तू परिवारों के बीच विमुक्त दिवस मनाया गया।
- तिली वार्ड में मोहल्ला विकास टीम का गठन।

नवम्बर 2023 -

- विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं का सम्मान हुआ।
- स्वावलंबी भारत अभियान के तहत 47 केन्द्रों पर युवाओं को 9000 से अधिक युवाओं को स्वरोजगार की जानकारी दी गई।
- बच्चों ने अन्न, सामग्री, गिफ्ट कार्ड आदि बांटकर मनाया दान उत्सव।

दिसम्बर 2023 -

- क्वेस्ट 2 लर्न वार्षिक शिखर सम्मेलन में विचार समिति आकांक्षा मलैया ने लिया हिस्सा।
- विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस द्वारा पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन।
- डॉ . गौर कौशल विकास मेला में स्वदेशी वस्तुओं का स्टाल लगाया।

जनवरी 2024 -

- नीम लगाओ - पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ।
- हथकरघा से कपड़े बुनना सीखकर शहर की महिलाएं प्रतिदिन कमा रहीं 200-300 रूपये।
- जरूरतमंद बच्चों के लिए समिति ने नेकी की दीवार पर जूते-चप्पल वितरित किए।
- एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान द्वारा निः शुल्क कोचिंग के लिए नवीन स्थल का उद्घाटन

फरवरी- मार्च (संयुक्त अंक) - 2024

- सागर शहर में पहली बार स्वदेशी मेला का आयोजन, 19 राज्यों से आये कलाकारों ने दी अपनी प्रस्तुतियां।
- भारतीय कुश्ती संघ द्वारा दो दिवसीय प्रतियोगिता आयोजन।
- 75 वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर 1100 स्थानों पर ध्वजारोहण किया गया।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 03-04-2024

दैनिक भास्कर के सागर, होशंगाबाद और खंडवा एडीशन में प्रकाशित खबर

पहल • गोबर से बनी घड़ियां, मोमेंटो और गोमय माला विचार समिति से जुड़ी महिलाओं के लिए स्वरोजगार का साधन बनी

3000 से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुईं, 1500 घड़ियां, 8000 मोमेंटो और 6000 से अधिक गोमय माला बनाई जा चुकी हैं

संजय दुबे | सागर

विचार समिति ने स्थानीय स्तर पर महिलाओं को स्वरोजगार देने के उद्देश्य से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करने की पहल पिछले वर्ष की थी। यह पहल विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना से जुड़ी महिलाओं द्वारा गोबर से बनी घड़ियों, मोमेंटो और गोमय माला आदि अन्य उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए है। गोमय परियोजना से 3000 से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। अभी तक 1500 घड़ियां, 8000 मोमेंटो और 6000 से अधिक गोमय माला बनायीं जा चुकी है एवं निर्माण प्रक्रिया निरंतर जारी है।

गोमय उत्पादों को बनाने की जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि यह एक उत्कृष्ट पहल है जो महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का संदेश देती है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का माध्यम प्रदान करती है। यह पहल उन लोगों के लिए एक सार्थक रोजगार का स्रोत भी है, जो पारंपरागत रूप से अपने गायों के गोबर का उपयोग करते हैं। गाय के गोबर से तैयार विभिन्न उत्पादों की बाजार में काफी मांग बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण यह उत्पाद प्राकृतिक होने के साथ - साथ अवशिष्ट रहित है।

उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम दयोदया गौशाला से गाय का शुद्ध गोबर लिया जाता है। इसके पश्चात मंगलगिरि पहाड़ी पर सुखाया जाता है एवं वजनी रोलर की सहायता से बारीक किया जाता है। गोबर को इकट्ठा कर गोदाम में लाया जाता है एवं चक्कियों की सहायता से महीन बारीक पीसा जाता है। विचार परिसर में गोबर एवं अन्य जैविक सामग्री मिलाकर 6 - 6 किलोग्राम के पैकिट तैयार कर लिये जाते है एवं प्रशिक्षित महिलाओं को अलग-अलग सामग्री बनाने दे दिए जाते है।

6 प्रकार की बन रही गोमय घड़ियां, बनाने की विधि जाने

गाय के ताजे गोबर को अच्छी तरह मिलाकर सांचे की सहायता से निश्चित आकर देकर सूखने के लिए सामान्य धूप में रखा जाता है। सूखने के पश्चात् कंडे की अच्छी से घिसाई एवं कटिंग की जाती है एवं पूर्ण आकर देने के लिए अन्य कंडो की कटिंग की जाती है इसके पश्चात फेविकोल, प्लाई की सहायता से जोड़ दिया जाता है, जैविक गोबर कलर किया जाता है। इसके पश्चात लेज, कांच लगाते है और जैविक रंग- बिरंगे कलर के साथ सुंदर चित्रकारी की जाती है। महिलाएं 6 प्रकार की डिजायनदार घड़ी बना रही है।

गोमय माला बनाने की विधि- मटेरियल को निश्चित मात्रा में अच्छी तरह गूथा जाता है, गूथें मटेरियल से निश्चित आकार के मोती तैयार किये जाते है। हल्के सूखने के पश्चात सुई की सहायता से मोतियों को धागें में पिरोया जाता है एवं जैविक गोबर कलर या गोल्डन कलर किया जाता है।

मोमेंटो बनाने की विधि

स्मृति चिन्ह बनाने के लिए सबसे पहले गाय के गोबर को सांचें की सहायता से निश्चित आकार दिया जाता है। सूखने पर घिसाई की जाती है, कील की सहायता से दोनों हिस्सों को मजबूती से जोड़ा जाता है एवं जैविक गोबर कलर सुखाकर विभिन्न प्रकार की डिजायन उकेरी जाती है। सम्मान हेतु मोमेंटो पर कम्प्यूटर से डिजाइन तैयार कर प्रिंट चिपकाया जाता है।

दैनिक भास्कर होशंगाबाद 06-04-2024

पहल • गोबर से बनी घड़ियां, मोमेंटो और गोमय माला विचार समिति से जुड़ी महिलाओं के लिए स्वरोजगार का साधन बनी

3000 से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुईं, 1500 घड़ियां, 8000 मोमेंटो और 6000 से अधिक गोमय माला बनाई जा चुकी हैं

6 प्रकार की बन रही गोमय घड़ियां, बनाने की विधि जाने

मोमेंटो बनाने की विधि

दैनिक भास्कर खंडवा 06-04-2024

पहल • गोबर से बनी घड़ियां, मोमेंटो और गोमय माला विचार समिति से जुड़ी महिलाओं के लिए स्वरोजगार का साधन बनी

3000 से अधिक महिलाएं लाभान्वित; 1500 घड़ियां, 8000 मोमेंटो और 6000 से अधिक गोमय माला बनाई जा चुकी हैं

6 प्रकार की बन रही गोमय घड़ियां, बनाने की विधि जाने

लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप अभियान का हुआ समापन

सागर दिनकर

सागर। पिछले दो वर्षो से संचालित विचार समिति एवं लर्निंग इनिसेटिव फॉर इंडिया के सयुंक्त तत्वावधान में लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप अभियान चलाया जा रहा था जिसका समापन हो गया है। यह अभियान कक्षा एक से पांचवी तक के स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को पुनः स्कूल से जोड़ने के लिए शुरू किया गया था। इस अभियान के अंतर्गत 5 सेंटरों पर 225 बच्चे जुड़े हुए हैं।

इस प्रक्रिया में वे बच्चे शामिल थे जो स्कूल में नामांकित नहीं थे या नामांकित है पर स्कूल नहीं जाते और स्कूल जाते हैं तो सीखने की गति निम्न थी। सुनो और सीखो लर्निंग मॉडल बच्चों को नए विषयों को नए तरीकों से सीखने में मदद करता है। इन बच्चों को ढूंढने और शिक्षा से जोड़ने तथा उन्हें आजीवन सीखने के लिये शिक्षकों ने यह जिम्मेदारी ली थी।

जिन बच्चों की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है, सामाजिक भेदभाव या पारिवारिक रूप से शिक्षा से वंचित रह गये थे उन बच्चों को हमारे शिक्षकों ने गांव से लेकर शहर की बस्तियों में जाकर बच्चों को चयनित किया और शिक्षा दी।

मीडिया कवरेज

देशबन्धु
Influencing Public Opinion Since 1959
05 Apr 2024 - Page 8

विचार समिति एवं लर्निंग इनिसेटिव फॉर इंडिया के सयुक्त तत्वाधान में लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप अभियान का समापन

5 सेंटरों पर 225 बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए शुरू किया गया था यह अभियान

सागर, देशबन्धु। पिछले दो वर्षों से संचालित विचार समिति एवं लर्निंग इनिसेटिव फॉर इंडिया के सयुंक्त तत्वावधान में लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप अभियान चलाया जा रहा था जिसका समापन हो गया है। यह अभियान कक्षा एक से पांचवी तक के स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को पुन: स्कूल से जोड़ने के लिए शुरू किया गया था। इस अभियान के अंतर्गत 5 सेंटरों पर 225 बच्चे जुड़े हुए हैं। इस प्रक्रिया में वे बच्चे शामिल थे जो स्कूल में नामांकित नहीं थे या नामांकित है पर स्कूल नहीं जाते और स्कूल जाते हैं तो सीखने की गति निम्न थी। सुनो और सीखो लर्निंग मॉडल बच्चों को नए विषयों को नए तरीकों से सीखने में मदद करता है। इन बच्चों को ढूढ़ने और शिक्षा से जोड़ने तथा उन्हें आजीवन सीखने के लिये शिक्षकों ने यह जिम्मेदारी ली थी। जिन बच्चों की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है, सामाजिक भेदभाव या पारिवारिक रूप से शिक्षा से वंचित रह गये थे उन बच्चों को हमारे शिक्षकों ने गांव से लेकर शहर की बस्तियों में जाकर बच्चों को चयनित किया और शिक्षा दी। विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमने पूर्ण जिम्मेदारी के साथ दो वर्षों तक बच्चों को शिक्षा से जोड़ा, बाल्यकाल सीखने की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होता है। आज भी बहुत बच्चें ऐसे है जो शुरुवाती दौर में ही शिक्षा से दूर हो जाते है। हम सब व्यक्तिगत रूप ऐसे सभी बच्चों को शिक्षित करने की जिम्मेदारी ले। शिक्षक प्रियंका साहू कहती है कि दो साल कैसे निकल गए पता भी नहीं चला, शुरुवाती सर्वे में हमारे सामने सवाल थे, आप कौन हो और कहां से आए हो हमारे जवाब थे बच्चों को पढ़ाने आये है। कुछ परिवार के सदस्य तो तैयार ही नहीं थे कि उनके बच्चें पढ़ें। फिर भी हम सभी ने हार नहीं मानी। लगभग 40 से 45 बच्चों के साथ कक्षा चालू की। ग्रेड 1 और ग्रेड 3 के बच्चों को वर्क बुक, कहानी, ग्रामर, गणित, हिंदी, एक्टिविटी आदि के माधयम से सिखाना काफी रोचक था। दान उत्सव जैसे कार्यक्रमों के द्वारा बच्चों के अंदर दूसरों के लिए मदद के भाव जगाना महत्वपूर्ण था। शिक्षक शिवानी कहती है शुरुवाती प्रथम ग्रेड के बेसलाइन असिस्मेंट के बाद 20-22 बच्चे ऐसे थे जिनका सीखने का स्तर बहुत ही कमजोर था। ऐसे भी बच्चें थे, जो स्कूल नहीं आते थे। उन सभी बच्चों के सीखने में बहुत सुधार आया, अंतिम परिणाम अच्छा मिला। हमारा उद्देश्य था बच्चें आजीवन सीखने के लिए तत्पर हो सकें। शिक्षक ज्योति जैन ग्राम मड़देवरा में 2 वर्ष से बच्चों को अध्ययन करवा रही थी। वे कहती है अब बच्चों को मालूम है कि मिड लाइन एवं ऐंडलायन असिस्मेंट में कैसे लिखना है, कितनी दूरी पर बैठना है। बच्चों को यह पद्धति आईडू, वीडू, यूडू सीखने सिखाने में कारगर रही। शिक्षक कविता यादव कहती है कि 2022 जुलाई प्रथम सर्वे में 30 से 35 बच्चे ड्रॉप आउट थे। बेसलाइन असेसमेंट के बाद ग्रेड डिवाइड कर दिया गया। मिडलाइन असिस्मेंट तक बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार आया। जिनका स्तर बहुत ही ज्यादा कमजोर था। लेकिन यह बच्चे अच्छे से पढ़ने लगे है और आगे भी पढ़ना चाहते है। शिक्षक रितु पटेल कहती है कि बच्चों को अच्छे से हिंदी पढ़नी नहीं आती थी, बच्चों को नए-नए तरीकों से सिखाना बहुत कारगर रहा। बच्चों के माता-पिता से मिलकर खुशी होती जब वह कहते है कि उनके बच्चों में सुधार आया है। शिक्षक राखी ठाकुर ने अंतिम परीक्षा की जानकारी देते हुये बताया कि सभी बच्चें 1 एवं 2 ग्रेड की परीक्षाओं में पास हो चुके है। सबसे महत्वपूर्ण होता है कि कौन सा बच्चा कहां कमजोर है उस पर काम करना।

दैनिक भास्कर
सागर 05-04-2024

लीफी चेंज मेकर्स फैलोशिप अभियान

विचार समिति ने स्कूल छोड़ चुके बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए चलाया अभियान

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति एवं लर्निंग इनिसेटिव फॉर इंडिया के तत्वावधान में लीफी चेंज मेकर्स फैलोशिप अभियान चलाया गया। यह अभियान कक्षा एक से पांचवी तक के स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को पुनः स्कूल से जोड़ने के लिए शुरू किया गया था।

इस अभियान के तहत 5 सेंटरों पर 225 बच्चे जुड़े हुए हैं। इस प्रक्रिया में वे बच्चे शामिल थे जो स्कूल में नामांकित नहीं थे या नामांकित हैं पर स्कूल नहीं जाते और स्कूल जाते हैं तो सीखने की गति निम्न थी। सुनो और सीखो लर्निंग मॉडल बच्चों को नए विषयों को नए तरीकों से सीखने में मदद करता है। इन बच्चों को खोजने और शिक्षा से जोड़ने तथा उन्हें आजीवन सीखने के लिए शिक्षकों ने यह जिम्मेदारी ली थी। जिन बच्चों की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है, सामाजिक भेदभाव या पारिवारिक रूप से शिक्षा से वंचित रह गये थे उन बच्चों को हमारे शिक्षकों ने गांव से लेकर शहर की बस्तियों में जाकर बच्चों को चयनित किया और शिक्षा दी।

विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने कहा कि हमने पूर्ण जिम्मेदारी के साथ दो वर्षों तक बच्चों को शिक्षा से जोड़ा, बाल्यकाल सीखने की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होता है। आज भी बहुत बच्चे ऐसे हैं जो शुरुआती दौर में ही शिक्षा से दूर हो जाते हैं। हम सब व्यक्तिगत रूप ऐसे सभी बच्चों को शिक्षित करने की जिम्मेदारी लें। शिक्षक प्रियंका साहू ने कहा कि दो साल कैसे निकल गए पता भी नहीं चला। कुछ परिवार के सदस्य तो तैयार ही नहीं थे कि उनके बच्चे पढ़ें। फिर भी हम सभी ने हार नहीं मानी। लगभग 40 से 45 बच्चों के साथ कक्षा चालू की। ग्रेड 1 और ग्रेड 3 के बच्चों को वर्क बुक, कहानी, ग्रामर, गणित, हिंदी, एक्टिविटी आदि के माध्यम से सिखाना काफी रोचक था। दान उत्सव जैसे कार्यक्रमों के द्वारा बच्चों के अंदर दूसरों के लिए मदद के भाव जगाना महत्वपूर्ण था।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship
Preparation-Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
i2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

‖ विचार समिति ‖

(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India

Bank A/c Name - Vichar Samiti

Account No. - 37941791894

IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

cfpay.dmvicharsamiti@icici

UPI

-: संपर्क :-

+91 95757 37475

linkedin.com/in/vichar-samiti

samiti.vichar@gmail.com

www.vicharsamiti.in

Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर